भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-11001

सं.: ई सी आई/प्रे नो/14/2018 दिनांक: 05 फरवरी, 2018

प्रेस नोट

11 देशों से संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों का भारत निर्वाचन आयोग में दौरा

ग्यारह देशों नामत: काबो वर्डे, सेंट विनसेंट, ग्रेनाडा, टोगो, मोलडोवा, गाम्बिया, बुरकिना फासो, टोंगा, समोआ, माइक्रोनेशिया, सोलोमन आइलैंडस तथा वानुआतु से संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने आज भारत निर्वाचन आयोग का दौरा किया। यह प्रतिनिधिमंडल विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अधीन 04 से 10 फरवरी, 2018 तक भारत का दौरा कर रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ओ.पी. रावत; निर्वाचन आयुक्त श्री सुनील अरोड़ा और निर्वाचन आयुक्त श्री अशोक लवासा से मिला।

अपने सम्बोधन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ओ.पी. रावत ने मजबूत सहभागितापूर्ण और समावेशी लोकतंत्रों को सुशासन और अपने सभी नागरिकों का सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने भारत में निर्वाचन प्रक्रिया का विवरण दिया और दौरे पर आए प्रतिनिधियों को निर्वाचनों के प्रबंधन में ई सी आई द्वारा आरंभ की जाने वाली पहल और नवाचारों के बारे में भी ब्रीफ किया। उन्होंने बताया कि ई सी आई अपनी प्रक्रियाओं में सुधार ला रहा है और उभरती हुई चुनौतियों के अनुसार चलने के लिए तथा उनका सामना

करने के लिए निर्वाचन प्रबंधन में नियमित रूप से परिवर्तन कर रहा है। मतदाताओं के पंजीकरण को बढ़ाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की पहल कि ''कोई भी मतदाता न छूटे'' का उल्लेख किया तथा साथ ही उन्होंने इस वर्ष के थीम ''सुगम निर्वाचन'' के बारे में प्रतिनिधिमंडल को ब्रीफ किया और 24 जनवरी, 2018 को ई सी आई द्वारा आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में दिव्यांगजनों को सम्मिलित करना'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी दी।

श्री सुनील अरोड़ा, निर्वाचन आयुक्त ने भारत के संविधान की प्रस्तावना में यथा प्रतिबिंबित भारत की संविधान सभा के सदस्यों की दूरदृष्टि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना के साथ ही उनका यह सपना साकार हो गया। उन्होंने दौरे पर आए प्रतिनिधियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई वी एम) के प्रयोग सहित वोटर वेरीफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी वी पी ए टी) को आरंभ करने तथा निर्वाचनों के प्रबंधन में प्रयुक्त अन्य आई टी-समर्थित सेवाओं के प्रबंधन के बारे में ई सी आई द्वारा प्रारंभ की गई पहल और नवोन्मेषी प्रक्रियाओं के बारे में ब्रीफ किया। ई सी आई के सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम पर उन्होंने बताया कि विदेशों में निर्वाचन प्रबंधन निकायों के साथ भारत निर्वाचन आयोग के संपर्कों का विस्तार हुआ है और ई सी आई आपसी लाभ के लिए अन्य देशों के साथ सर्वोत्तम पद्धतियों, अनुभवों तथा नवोन्मेषों को साझा करता रहा है।

श्री अशोक लवासा, निर्वाचन आयुक्त ने अपने सम्बोधन में बताया कि इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था का क्रमिक विकास जो कि विभिन्न राष्ट्र राज्यों को एक ऐसा मंच उपलब्ध करवाता है जहां विश्व में आपसी हितों के मुद्दों को साझा करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण मामलों पर सामूहिक रजामंदी बनती है। राजनैतिक प्रक्रिया में लोकतंत्र अब एक समान भागीदारी के लिए जनता हेतु सर्वोत्तम साधन के रूप में उभर कर सामने आया है और विभिन्न देशों में यह अपना स्थान बना रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि ई सी आई ने लोकतंत्र की प्रगति के प्रचार हेतु किफायती तरीके से विभिन्न कदम उठाए हैं।

इससे पहले, श्री उमेश सिन्हा, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया, और प्रतिनिधियों को भारत में निर्वाचन प्रक्रिया और ई सी आई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम के संबंध में ब्रीफ किया। उन्होंने विश्व में सबसे बड़ी निर्वाचन प्रक्रिया के प्रबंधन में ई सी आई की संरचना, भूमिका और कार्यों के बारे में एक प्रस्तुतीकरण दिया। प्रतिनिधिमंडल को संसदीय निर्वाचन-2014 पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। इसके बाद प्रश्न-उत्तर का एक दौर चला जिसमें प्रतिनिधियों के लैंगिक समानता, सी ई सी/ई सी की नियुक्ति, भारतीय प्रवासियों द्वारा मतदान इत्यादि से संबंधित प्रश्नों के जवाब दिए गए।

इस ब्रीफिंग सत्र में श्री धीरेन्द्र ओझा, महानिदेशक; श्री एस.के. मेंदीरत्ता, विधिक सलाहकार (ई सी आई) और भारत निर्वाचन आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

(अजय कुमार)
सचिव